हिंदी

हिंदी भाषा और उसका विकास

- हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ - पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्द्धमागधी. अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ. अपभ्रंश, अवहट्ट और पुरानी हिंदी का संबंध,
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण. हिंदी का भौगोलिक विस्तार: हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी आदि और उनकी बोलियाँ. खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ, हिन्दी के विविध रूप, हिंदी, हिंदुस्तानी और दक्खिनी.
- हिंदी का भाषिक स्वरूप: हिंदी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्य और खंड्येतर, हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिंदी शब्द-रचना: उपसर्ग प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना - लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप, हिंदी वाक्य रचना.
- हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा. संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण.

हिंदी साहित्य का इतिहास:

- हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्य के इतिहासलेखन की पद्धतियां, हिंदी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण,
- आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, रासो साहित्य, जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य.
- भक्तिकाल: भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य की विभिन्न धाराएँ. भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति काव्य की सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलबार संत, भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण-सगुण कवि और उनका काव्य.
- रीतिकाल: रीतिकाव्य का सामान्य परिचय, सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) रीति कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य.
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी, आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और हिंदी नवजागरण, स्वच्छंदतावाद, छायावाद, प्रगतिवाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता
- हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास, भारतेंदु-पूर्व हिन्दी गद्य, भारतेंदु और उनका युग, हिंदी पत्रकारिता का आरंभ और उन्नीसवीं शताब्दी की हिंदी पत्रकारिता, आधुनिकता की अवधारणा, द्विवेदी-युग, महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि

- छायावाद - छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नयी कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएं:

- हिन्दी उपन्यास : भारतीय उपन्यास की अवधारणा, प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास.
- हिंदी कहानी : हिंदी कहानी का उद्भव और विकास, बीसवीं सदी की हिंदी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलन एवं प्रमुख कहानीकार,
- हिंदी नाटक : हिंदी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण, भारतेंदु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, प्रमुख नाट्य कृतियाँ, प्रमुख नाटककार, हिंदी एकांकी, हिंदी रंगमंच और विकास के चरण, हिंदी का लोक रंगमंच, नुक्कड़ नाटक
- हिन्दी निबंध : हिंदी निबंध का उद्भव और विकास, हिन्दी निबंध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार,
- हिंदी आलोचना : हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास, समकालीन हिंदी आलोचना एवं उसके प्रमुख प्रकार, प्रमुख आलोचक
- हिंदी की अन्य गद्य विधाएँ: रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज, डायरी.
- हिंदी का प्रवासी साहित्य : अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार

साहित्यशास्त्र

- काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन.
- प्रमुख सम्प्रदाय और सिद्धांत: रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य
- रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
- शब्द शक्ति, काव्य गुण, काव्य दोष
- प्लेटो के काव्य सिद्धांत
- अरस्तु: अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत
- वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत,
- कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी,
- टी एस इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की अवधारणा.
- आइ ए रिचड्र्स : मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत तथा काव्यभाषा सिद्धान्त,
- रूसी रूपवाद,
- नई समीक्षा

वैचारिक पृष्ठभूमि:

- भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि
- हिन्दी नवजागरण : खड़ी बोली आंदोलन, फ़ोर्ट विलियम कॉलेज
- भारतेंदु और हिन्दी नवजागरण,
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
- गांधीवाद,
- अंबेडकरवाद,
- लोहियावाद,
- मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद, अस्मितामूलक विमर्श (दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श.

हिंदी कविता

- चंद बरदाई - पृथ्वीराज रासो : कयमास वध
- अमीर ख़ुसरो - खुसरो की पहेलियां और मुकरियाँ,
- विद्यापति की पदावली : (सम्पादक नरेंद्र झा) पद संख्या 1-25
- कबीर: (संपादक हज़ारी प्रसाद द्विवेदी), पद संख्या 160-209
- जायसी ग्रंथावली: (संपादक रामचंद्र शुक्ल - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी) मानसरोडक खंड और नागमती वियोग खंड
- सूरदास: भ्रमरगीतसार (संपादक रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी) 50 पद 21 से 70
- तुलसीदास: अयोध्याकांड 30 दोहा-चौपाई (211-240), (रामचरितमानस),
  कवितावली - उत्तरकांड - कलि वर्णन, राम नाम महिमा, श्री गंगा महात्म्य
- बिहारी सतसई: (संपादक जगन्नाथदास रत्नाकर) दोहा संख्या 1-50
- घनानंद कवित्त: (संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) कवित्त संख्या 1-30
- मीरा : (संपादक विश्वनाथ त्रिपाठी) प्रारंभ से 20 पद
- अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध : प्रियप्रवास
- मैथिली शरण गुप्त : भविष्यत खंड - भारत भारती, साकेत नवम सर्ग
- जयशंकर प्रसाद - चिंता और श्रद्धा सर्ग - कामायनी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - राम की शक्ति पूजा, जागो फिर एक बार, सरोज स्मृति, तोड़ती पत्थर, बादल राग (भाग 6) - राग-विराग -रामविलास शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- सुमित्रानंदन पन्त : परिवर्तन, प्रथम रश्मि,
- महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल हैं प्राण मेरे, वह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र
- रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी
- नागार्जुन: कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद खुरदुरे पैर

- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय - कितनी नावों में कितनी बार, हरी घास पर क्षण भर, नाच - (अज्ञेय - प्रतिनिधि कविताएँ और जीवन परिचय - विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एंड संस, दिल्ली)
- भवानी प्रसाद मिश्र: गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल
  गजानन माधव मुक्तिबोध - ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में (मुक्तिबोध रचनावली, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली)
- धूमिल: नक्सलबाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद
- केदारनाथ सिंह - बनारस, माँझी का पुल, मातृभाषा, पांडुलिपियाँ, कुदाल
  - प्रतिनिधि कविताएँ , राजकमल प्रकाशन, दरियागंज दिल्ली

हिंदी उपन्यास

- लाला श्रीनिवास दास: परीक्षा गुरु
- प्रेमचंद: गोदान (सं.) अमृतराय - हंस प्रकाशन
- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय: शेखर एक जीवनी)भाग 1)
- हज़ारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा
- फणीश्वरनाथ रेणु: मैला आँचल
- यशपाल: झूठा-सच
- अमृतलाल नागर: मानस का हंस
- भीष्म साहनी: तमस
- श्रीलाल शुक्ल: राग दरबारी
- कृष्णा सोबती ज़िंदगीनामा
- मन्नू भंडारी: आपका बंटी
- जगदीशचंद्र : धरती धन न अपना

हिंदी कहानी

- राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला) : चंद्रदेव से मेरी बातें, दुलाईवाली
- माधवराव सप्रे: एक टोकरी भर मिट्टी
- प्रेमचंद: ईदगाह, दुनिया का अनमोल रतन
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी: उसने कहा था
- जयशंकर प्रसाद : आकाशदीप
- जैनेन्द्र: अपना अपना भाग्य
- फणीश्वरनाथ रेणु: तीसरी क़सम, लाल पान की बेग़म
- अज्ञेय: गैंग्रीन
- शेखर जोशी: कोशी का घटवार
- भीष्म साहनी: अमृतसर आ गया है, चीफ़ की दावत

- कृष्णा सोबती: सिक्का बदल गया
- हरिशंकर परसाई: इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर
- ज्ञानरंजन: पिता
- कमलेश्वर: राजा निरबंसिया
- निर्मल वर्मा : परिंदे,
- उदयप्रकाश : तिरिछ
-

हिंदी नाटक

- भारतेन्दु: अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा
- जयशंकर प्रसाद: चंद्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
- धर्मवीर भारती: अंधायुग
- लक्ष्मी नारायण लाल : सिंदूर की होली
- मोहन राकेश: आधे अधूरे, आषाढ़ का एक दिन
- हबीब तनवीर: आगरा बाज़ार
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना: बकरी
- शंकर शेष: एक और द्रोणाचार्य
- मन्नू भंडारी: महाभोज
-

हिन्दी निबंध

- भारतेंदु : दिल्ली दरबार दर्पण, भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है.
- बालकृष्ण भट्ट: शिवशंभु के चिट्ठे
- अध्यापक पूर्ण सिंह: मज़दूरी और प्रेम
- रामचंद्र शुक्ल: कविता क्या है
- हज़ारी प्रसाद द्विवेदी: नाख़ून क्यों बढ़ते हैं
- विद्यानिवास मिश्र: मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- कुबेरनाथ राय: उत्तराफाल्गुनी के आस पास
- विवेकी राय: उठ जाग मुसाफ़िर
- नामवर सिंह: संस्कृति और सौंदर्य

आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएँ

- रामवृक्ष बेनीपुरी: माटी की मूरतें
- महादेवी वर्मा: ठकुरी बाबा
- तुलसीराम: मुर्दहिया

- शिवरानी देवी: प्रेमचंद घर में
- मन्नू भंडारी: एक कहानी यह भी
- विष्णु प्रभाकर: आवारा मसीहा
- हरिशंकर परसाई: भोलाराम का जीव
- हरिवंशराय बच्चन: क्या भूलूँ क्या याद करूँ
- रमणिका गुप्ता: आपहुदरी
- कृष्ण चंदर: जामुन का पेड़
- रामधारी सिंह दिनकर: संस्कृति के चार अध्याय
- मुक्तिबोध एक साहित्यिक की डायरी
- राहुल सांकृत्यायन: मेरी तिब्बत यात्रा
- अज्ञेय: अरे यायावर रहेगा याद